12/2017

संख्या– 1128/62–1–2017–43जीडब्लू/2017

प्रेषक,

मोनिका एस0 गर्ग,
प्रमुख सचिव,
लघु सिंचाई एवं भूगर्भ जल विभाग,
उत्तर प्रदेश शासन।

सेवा में,

समस्त जिलाधिकारी,
उत्तर प्रदेश।

लघु सिंचाई एवं भूगर्भ जल अनुभाग–1 लखनऊ : दिनांक : 24 अगस्त , 2017

**विषयः 'राज्य भूजल संरक्षण मिशन' के क्रियान्वयन के सम्बन्ध में।**

महोदय,

अवगत कराना है कि मा0 मंत्री परिषद द्वारा दिनांक 17–08–2017 को "राज्य भूजल संरक्षण मिशन" की नवीन योजना को अनुमोदन प्रदान किया गया है। मिशन के अन्तर्गत प्रदेश के संकटग्रस्त विकास खण्डों एवम् शहरी क्षेत्रों में वर्षा जल संचयन एवम् भूजल रिचार्ज की उपयुक्त विधियों की संरचना करते हुए भूजल संसाधनों की उपलब्धता में प्रभावकारी सीमा तक वृद्धि किए जाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। मिशन की कार्ययोजनाओं हेतु प्रदेश के समस्याग्रस्त कुल 271 विकासखण्डों एवं 22 शहरों का चयन किया गया है। वर्तमान वित्तीय वर्ष 2017–18 में इस मिशन के अन्तर्गत बुन्देलखण्ड क्षेत्र के 15 विकासखण्डों, पूर्वी क्षेत्र के कुल 07 विकासखण्डों तथा पश्चिमी क्षेत्र के कुल 03 विकासखण्डों अर्थात कुल 25 विकासखण्डों को मिशन के कार्यो हेतु चयनित किया गया है।

मिशन के अन्तर्गत उपरोक्तानुसार चयनित विकासखण्डों में वाटरशेड सिद्धान्त के आधार पर रिचार्ज हेतु मास्टर प्लान तैयार किया जायेगा। मास्टर प्लान पर आधारित उन्मुखीकरण कार्यशालाएं जनपद–झाँसी एवं बाँदा में आयोजित की जा चुकी हैं तथा अन्य मण्डलों में भी कार्यशालाएं भविष्य में आयोजित की जायेंगी। कार्यशाला में प्राप्त सुझावों को सम्मिलित करते हुए भूगर्भ जल विभाग द्वारा विकासखण्डों की माडल डी0पी0आर0 उपलब्ध करायी जायेगी, जिसमें क्षेत्र–विशेष की हाइड्रोजियोलॉजिकल परिस्थितियों के अनुरूप रिचार्ज हेतु सम्बन्धित संरचनाओं का सुझाव दिया जाएगा। उपलब्ध करायी गयी माडल डी0पी0आर0 को भूगर्भ जल विभाग के नोडल अधिकारियों द्वारा आपकी अध्यक्षता में गठित तकनीकी समन्वय समिति (टी0सी0सी0) के समक्ष प्रस्तुत किया जायेगा।

आपसे अपेक्षा है कि गठित 'जनपद स्तरीय तकनीकी समन्वय समिति' (टी0सी0सी0) की बैठक आहूत कराकर माडल डी0पी0आर0 के आधार पर विभिन्न कार्यदायी विभागों के सहयोग एवम् समन्वय से प्रत्येक विकास खण्ड के हाइड्रोजियोलॉजिकल परिदृश्य के अनुरूप विकास खण्डवार विस्तृत मिशन कार्ययोजना तैयार कर क्रियान्वयन कराया जाना सुनिश्चित करें। डी0पी0आर0 के द्वारा संस्तुत कार्यों का अनुश्रवण जनपद स्तर पर "तकनीकी समन्वय समिति" (टी0सी0सी0) द्वारा एवं प्रदेश स्तर पर 'विशेषज्ञ समिति' द्वारा किया जायेगा।

संलग्नक:– यथोक्त्।

भवदीया

(मोनिका एस0 गर्ग)
प्रमुख सचिव।

संख्या– (1)/62–1–2017,तद्दिनांक।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवम् आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित है:–

1. निदेशक, भूगर्भ जल विभाग, 9वां तल इन्दिरा भवन, लखनऊ।
2. मुख्य अभियन्ता, लघु सिंचाई विभाग, जवाहर भवन, लखनऊ।
3. गार्ड फाइल।

आज्ञा से,

(संजय शुक्ला)
अनुसचिव।

13/2017/

संख्या– 1156 /62–1–2017–43जीडब्लू/2017

प्रेषक,

मोनिका एस0 गर्ग,
प्रमुख सचिव,
लघु सिंचाई एवं भूगर्भ जल विभाग,
उत्तर प्रदेश शासन।

सेवा में,

जिलाधिकारी,
जनपद–चित्रकूट/महोबा/बाँदा/हमीरपुर/झाँसी/ललितपुर/
वाराणसी/जौनपुर/प्रतापगढ़/मुरादाबाद/मेरठ।

लघु सिंचाई एवं भूगर्भ जल अनुभाग–1 दिनांक : लखनऊ : 24 अगस्त, 2017

**विषयः 'राज्य भूजल संरक्षण मिशन' के क्रियान्वयन के सम्बन्ध में।**

महोदय,

अवगत कराना है कि मा0 मंत्रि–परिषद द्वारा दिनांक 17–08–2017 को "राज्य भूजल संरक्षण मिशन" की नवीन योजना को अनुमोदन प्रदान किया गया है। मिशन के अन्तर्गत प्रदेश के संकटग्रस्त विकास खण्डों एवम् शहरी क्षेत्रों में वर्षा जल संचयन एवम् भूजल रिचार्ज की उपयुक्त विधियों की संरचना करते हुए भूजल संसाधनों की उपलब्धता में प्रभावकारी सीमा तक वृद्धि किए जाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। मिशन की कार्ययोजनाओं हेतु वर्तमान वित्तीय वर्ष 2017–18 में प्रदेश के बुन्देलखण्ड क्षेत्र के 15 विकासखण्डो, पूर्वी क्षेत्र के कुल 07 विकासखण्डों तथा पश्चिमी क्षेत्र के कुल 03 विकासखण्डों अर्थात कुल 25 विकासखण्डों को चयनित किया गया है, जिसकी सूची संलग्न है।

मिशन के अन्तर्गत उपरोक्तानुसार चयनित विकासखण्डों में वाटरशेड सिद्धान्त के आधार पर रिचार्ज हेतु मास्टर प्लान तैयार किया गया है। मास्टर प्लान पर आधारित उन्मुखीकरण कार्यशालाएं जनपद–झाँसी एवं बाँदा में आयोजित की जा चुकी हैं। कार्यशाला में प्राप्त सुझावों को सम्मिलित करते हुए भूगर्भ जल विभाग द्वारा विकासखण्डों की माडल डी0पी0आर0 उपलब्ध करायी गयी है, जिसमें रिचार्ज हेतु सम्बन्धित संरचनाओं का सुझाव दिया गया है। उपलब्ध करायी गयी माडल डी0पी0आर0 को भूगर्भ जल विभाग के नोडल अधिकारियों द्वारा आपकी अध्यक्षता में गठित तकनीकी समन्वय समिति (टी0सी0सी0) के समक्ष प्रस्तुत किया जायेगा।*भूगर्भ जल विभाग के जिन अधिकारियों को जनपद हेतु नोडल अधिकाररी नामित किया गया है, उनका विवरण भी संलग्न है।

आपसे अपेक्षा है कि गठित 'जनपद स्तरीय तकनीकी समन्वय समिति' (टी0सी0सी0) की बैठक आहूत कराकर माडल डी0पी0आर0 के आधार पर विभिन्न कार्यदायी विभागों के सहयोग

एवम् समन्वय से प्रत्येक विकास खण्ड के हाइड्रोजियोलॉजिकल परिदृश्य के अनुरूप विकास खण्डवार विस्तृत मिशन कार्ययोजना तैयार कर क्रियान्वयन कराया जाना सुनिश्चित करें। डी0पी0आर0 के द्वारा संस्तुत कार्यों का अनुश्रवण जनपद स्तर पर "तकनीकी समन्वय समिति" (टी0सी0सी0) द्वारा एवं प्रदेश स्तर पर 'विशेषज्ञ समिति' द्वारा किया जायेगा।

संलग्नकः– यथोक्त।

भवदीया,

(मोनिका एस0 गर्ग)
प्रमुख सचिव।

संख्या– (1)/62–1–2017–तद्दिनांक।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवम् आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित है:–

1. निदेशक, भूगर्भ जल विभाग, 9वां तल इन्दिरा भवन, लखनऊ।
2. मुख्य अभियन्ता, लघु सिंचाई विभाग, जवाहर भवन, लखनऊ।
3. गार्ड फाइल।

आज्ञा से,

(संजय शुक्ला)
अनुसचिव।

14/2017

संख्या– 1157/62–1–2017–43जीडब्लू/2017

प्रेषक,

मोनिका एस0 गर्ग,
प्रमुख सचिव,
लघु सिंचाई एवं भूगर्भ जल विभाग,
उत्तर प्रदेश शासन।

सेवा में,

अपर मुख्य सचिव/प्रमुख सचिव,
लघु सिंचाई विभाग/नगर विकास विभाग/ग्राम्य विकास विभाग/वन विभाग/कृषि विभाग/परती भूमि विकास/सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग/उद्यान विभाग/गन्ना विभाग तथा आवास एवं शहरी नियोजन विभाग, उत्तर प्रदेश शासन।

लघु सिंचाई एवं भूगर्भ जल अनुभाग–1 लखनऊ : दिनांक : 24 अगस्त, 2017

**विषयः 'राज्य भूजल संरक्षण मिशन' के क्रियान्वयन के सम्बन्ध में।**

महोदय,

अवगत कराना है कि मा0 मंत्रि–परिषद द्वारा दिनांक 17–08–2017 को "राज्य भूजल संरक्षण मिशन" की नवीन योजना को अनुमोदन प्रदान किया गया है। मिशन का 'कान्सेप्ट नोट' संलग्न किया जा रहा है। मिशन के अन्तर्गत प्रदेश के संकटग्रस्त विकास खण्डों एवम् शहरी क्षेत्रों में वर्षा जल संचयन एवम् भूजल रिचार्ज की उपयुक्त विधियों की संरचना करते हुए भूजल संसाधनों की उपलब्धता में प्रभावकारी सीमा तक वृद्धि किए जाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। मिशन के क्रियान्वयन हेतु प्रदेश के समस्याग्रस्त कुल 271 विकासखण्डों एवं 22 शहरों का चयन किया गया है। वर्तमान वित्तीय वर्ष 2017–18 में इस मिशन के अन्तर्गत बुन्देलखण्ड क्षेत्र के 15 विकासखण्डों, पूर्वी क्षेत्र के कुल 07 विकासखण्डों तथा पश्चिमी क्षेत्र के कुल 03 विकासखण्डों अर्थात कुल 25 विकासखण्डों को मिशन के कार्यों हेतु चयनित किया गया है।

मिशन के अन्तर्गत उपरोक्तानुसार चयनित विकासखण्डों में वाटरशेड सिद्धान्त के आधार पर रिचार्ज हेतु मास्टर प्लान तैयार किया गया है। भूगर्भ जल विभाग द्वारा सम्बन्धित विकासखण्डों की माडल डी0पी0आर0 उपलब्ध करायी गयी है, जिसमें रिचार्ज हेतु सम्बन्धित संरचनाओं का सुझाव दिया गया है। उपलब्ध करायी गयी माडल डी0पी0आर0 पर सम्बन्धित जनपद के जिलाधिकारी की अध्यक्षता में गठित तकनीकी समन्वय समिति (टी0सी0सी0) में गहन चर्चा की जाएगी, जिसके उपरान्त विभागवार विस्तृत मिशन कार्ययोजना तैयार की जाएगी। मिशन कार्ययोजना में प्रस्तावित विभागवार गतिविधियों का क्रियान्वयन निम्नानुसार किया जायेगाः–

मिशन कार्ययोजना के माइलस्टोन, टाइम–लाइन एवं विभिन्न योजनाओं का कन्वर्जेन्सः मिशन के अन्तर्गत उपरोक्तानुसार तैयार की गयी कार्ययोजना/माइक्रो प्लान्स में विभिन्न

कार्यों/गतिविधियों के कियान्वयन एवं संचालन हेतु सम्बन्धित विभागों को चिन्हित किया जायेगा और सम्बन्धित विभागों के कन्वर्जेन्स को कार्ययोजना के डाक्यूमेन्ट में रेखांकित किया जायेगा। टी0सी0सी0 (जनपद स्तरीय तकनीकी समन्वय समिति) एकीकृत कार्ययोजना तैयार करने एवं उसका कियान्वयन समयबद्ध ढंग से सुनिश्चित कराये जाने हेतु माइलस्टोन्स एवं योजनाओं के कन्वर्जेन्स के तौर–तरीके/माडलिटीज (modalities) का निर्धारण करेगी।

i- कार्ययोजना के अन्तर्गत सम्मिलित माइक्रो प्लान्स के कियान्वयन हेतु सम्बन्धित डाक्यूमेन्ट में कार्यवार एवं विभागवार माइलस्टोन एवं टाइम–लाइन का समावेश किया जायेगा, जिससे कि माइक्रो प्लान्स (डी0पी0आर0) को समयबद्ध ढंग से कियान्वित कराया जा सके और उससे प्राप्त होने वाले परिणामों का भी आकलन हो सके।

ii- **कार्ययोजना अवधि:** मिशन के अन्तर्गत प्रत्येक विकासखण्ड की कार्ययोजना के कियान्वयन हेतु 2–3 वर्ष की समय–सीमा का लक्ष्य रखा जायेगा।

iii- वर्तमान में संचालित योजनाओं यथा–मनरेगा, प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना (पी0एम0के0एस0वाई0), राष्ट्रीय कृषि विकास योजना (आर0के0वी0वाई0), राष्ट्रीय पेयजल कार्यक्रम, बुन्देलखण्ड पैकेज, रिपेयर, रिनोवेशन एवं रेस्टोरेशन आफ वाटर बाडीज आदि के कन्वर्जेन्स द्वारा मिशन के अन्तर्गत कार्यों का सम्पादन सम्बन्धित विभागों यथा–लघु सिंचाई, उ0प्र0 जल निगम, ग्राम्य विकास, कृषि, उद्यान, सिंचाई एवं जल संसाधन, वन आदि विभागों द्वारा किया जायेगा एवं भूगर्भ जल विभाग द्वारा नोडल विभाग के साथ में सलाहकार/परामर्शी एवं समन्वयक का कार्य किया जायेगा।

iv- **शहरों** में आवास एवं शहरी नियोजन तथा नगर विकास विभाग के समन्वय एवं कार्यों के कन्वर्जेन्स से मिशन के अन्तर्गत प्रस्तावित कार्ययोजना में चिन्हित गतिविधियों को सम्पादित किया जायेगा।

v- प्रत्येक जनपद में 100–100 चेकडैम/तालाब के निर्माण का प्रयास किया जायेगा।

कार्यों का अनुश्रवण जनपद स्तर पर "तकनीकी समन्वय समिति" (टी0सी0सी0) द्वारा एवम् प्रदेश स्तर पर 'विशेषज्ञ समिति' द्वारा किया जायेगा।

अतः आपसे अनुरोध है कि अपने स्तर से जनपद एवम् मण्डलीय अधिकारियों को मिशन के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु आवश्यक निर्देश जारी करने का कष्ट करें।

भवदीय,

(मोनिका एस0 गर्ग)
प्रमुख सचिव।

15/2017

संख्या– 1158/62–1–2017–43जीडब्लू/2017

प्रेषक,

मोनिका एस0 गर्ग,
प्रमुख सचिव,
लघु सिंचाई एवं भूगर्भ जल विभाग,
उत्तर प्रदेश शासन।

सेवा में,

जिलाधिकारी,
जनपद–चित्रकूट/महोबा/बाँदा/हमीरपुर/झाँसी/ललितपुर/वाराणसी/जौनपुर/
प्रतापगढ़/मुरादाबाद एवं मेरठ।

लघु सिंचाई एवं भूगर्भ जल अनुभाग–1 लखनऊ : दिनांक 24 अगस्त, 2017

विषयः **'राज्य भूजल संरक्षण मिशन' के क्रियान्वयन हेतु आयोजित की जानी वाली तकनीकी समन्वय समिति की बैठक की समय–सारणी के सम्बन्ध में।**

महोदय,

अवगत कराना है कि माननीय मंत्रि–परिषद के द्वारा "राज्य भूजल संरक्षण मिशन" की नवीन योजना को अनुमोदन प्रदान किया जा चुका है। मिशन के अन्तर्गत चयनित विकासखण्डों में वाटरशेड सिद्धान्त के आधार पर रिचार्ज हेतु मास्टर प्लान तैयार किया गया है। भूगर्भ जल विभाग सम्बन्धित विकासखण्डों की माडल डी0पी0आर0 उपलब्ध करायी गयी है, जिसमें रिचार्ज हेतु सम्बन्धित संरचनाओं का सुझाव दिया गया है। उपलब्ध करायी गयी माडल डी0पी0आर0 को आपकी अध्यक्षता में गठित तकनीकी समन्वय समिति (टी0सी0सी0) के समक्ष प्रस्तुत किया जायेगा। बैठक में मुख्य अभियन्ता, लघु सिंचाई विभाग, उत्तर प्रदेश, सम्बन्धित अधीक्षण अभियन्ता एवम् अधिशासी अभियन्ता, लघु सिंचाई विभाग, उत्तर प्रदेश तथा भूगर्भ जल विभाग, उत्तर प्रदेश के नोडल अधिकारी भाग लेगें। जनपद स्तर पर विकासखण्डवार प्रस्तावित तकनीकी समन्वय समिति की समय सारणी निम्नानुसार निर्धारित की जा रही है–

| क्रमांक | जनपद | विकास खण्ड | प्रस्तावित समय | दिनांक | नोडल अधिकारी |
|---|---|---|---|---|---|
| 1. | चित्रकूट | कर्वी | प्रातः 11:00 से अपरान्ह 01:00 बजे। | 12–09–2017 (मंगलवार) | श्री अनुपम अधिशासी अभियन्ता |
| | | रामनगर | अपरान्ह 02:00 से 04:00 बजे। | | |
| | | मऊ | प्रातः 11:00 से अपरान्ह 01:00 बजे। | 14–09–2017 (बृहस्पतिवार) | |
| 2. | बाँदा | बरोखर खुर्द | प्रातः 11:00 से अपरान्ह 01:00 बजे। | 16–09–2017 (शनिवार) | श्री अनिल कुमार मिश्रा, अधिशासी अभियन्ता |
| | | जसपुरा | प्रातः 11:00 से अपरान्ह 01:00 बजे। | 18–09–2017 (सोमवार) | |
| | | तिंदवारी | अपरान्ह 02:00 से 04:00 बजे। | | |
| 3. | महोबा | जैतपुर | प्रातः 11:00 से अपरान्ह 01:00 बजे। | 20–09–2017 (बुधवार) | –तदैव– |
| | | पनवारी | अपरान्ह 02:00 से 04:00 बजे। | | |
| | | चरखारी | प्रातः 11:00 से अपरान्ह 01:00 बजे। | 22–09–2017 (शुक्रवार) | |
| | | कबरई | अपरान्ह 02:00 से 04:00 बजे। | | |
| 4. | हमीरपुर | राठ | प्रातः 11:00 से अपरान्ह 01:00 बजे। | 25–09–2017 (सोमवार) | –तदैव– |
| | | कुरेरा | अपरान्ह 02:00 से 04:00 बजे। | | |
| | | सरीला | प्रातः 11:00 से अपरान्ह 01:00 बजे। | 27–09–2017 (बुधवार) | |
| 5. | झाँसी | बमौर, | प्रातः 11:00 से अपरान्ह 01:00 बजे। | 29–09–2017 (शुक्रवार) | अवधेश कुमार, अधिशासी अभियन्ता |

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| 6 | ललितपुर | तालबेहट | प्रातः 11:00 से अपरान्ह 01:00 बजे। | 30–09–2017 (शनिवार) | –तदैव– |
| 7 | मुरादाबाद | बिलारी | प्रातः 11:00 से अपरान्ह 01:00 बजे | 21–09–2017 (गुरूवार) | श्री वर्मवीर सिंह राठौर, अधिशासी अभियन्ता |
| | | बिलारी | अपरान्ह 02:00 से 04:00 बजे। | | |
| 8 | वाराणसी | अराजीलाइन | प्रातः 11:00 से अपरान्ह 01:00 बजे। | 18–09–2017 (सोमवार) | श्री महातिम सिंह यादव, सीनियर हाइड्रोजियोलाजिस्ट |
| | | हरहुआ | अपरान्ह 02:00 से 04:00 बजे। | | |
| 9 | जौनपुर | केराकत | प्रातः 11:00 से अपरान्ह 01:00 बजे। | 22–09–2017 (शुक्रवार) | |
| | | बदलापुर | अपरान्ह 02:00 से 04:00 बजे। | | |
| | | सिरकोनी | प्रातः 11:00 से अपरान्ह 01:00 बजे। | 25–09–2017 (सोमवार) | |
| 10 | प्रतापगढ़ | शिवगढ़ | प्रातः 11:00 से अपरान्ह 01:00 बजे। | 25–09–2017 (सोमवार) | श्री अनुपम, अधिशासी अभियन्ता |
| | | संडवा–चन्द्रिका | अपरान्ह 02:00 से 04:00 बजे। | | |
| 11 | मेरठ | रजपुरा | प्रातः 11:00 से अपरान्ह 01:00 बजे। | 29–09–2017 (शुक्रवार) | श्री अमोद कुमार, सीनियर जियोफिजिसिस्ट |

आपसे अपेक्षा है कि गठित 'जनपद स्तरीय तकनीकी समन्वय समिति' (टी0सी0सी0) की बैठक विकास खण्डवार आहूत कर गहन चर्चा करें, जिसके आधार पर विभिन्न कार्यदायी विभागों के सहयोग एवम् समन्वय से क्षेत्र विशेष में क्रियान्वित की जाने वाली विस्तृत मिशन कार्ययोजना बनाएं तथा इसका क्रियान्वयन कराया जाना सुनिश्चित करें।

कृपया इसे शीर्ष प्राथमिकता प्रदान करने का कष्ट करें।

भवदीया,

(मोनिका एस0 गर्ग)
प्रमुख सचिव।

संख्या– /62–1–2017,तद्दिनांक।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवम् आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित है:–

1. निदेशक, भूगर्भ जल विभाग, 9वां तल, इन्दिरा भवन, लखनऊ।
2. मुख्य अभियन्ता, लघु सिंचाई विभाग, जवाहर भवन, लखनऊ।
3. गार्ड फाइल।

आज्ञा से,

(संजय शुक्ला)
अनुसचिव।